कोविड ट्रीटमेंट फैसिलिटी (पेड)
राज्य सरकार के निर्देशानुसार
जनरल वार्ड । आईसीयू
ए.सी. वार्ड | प्राइवेट ए.सी. रूम
प्राइवेट नॉन ए.सी. फैमिली सुइट
प्राइवेट ए.सी. फैमिली सुइट
* सभी अतिरिक्त सुविधाएं अतिरिक्त भुगतान पर उपलब्ध
9649904849, 9461221718

टी मीडिया

tmedia@tantiauniversity.com

टांटिया समूह, श्रीगंगानगर का गौरवशाली प्रकाशन

बीकानेर सम्भाग में पहली बार विश्व की अत्याधुनिक व बड़ी
M.R.I. (एम.आर.आई.)
1.5 Tesla (16 Channel)
मशीन द्वारा जांच अब श्रीगंगानगर में

टांटिया जनरल हॉस्पिटल
सुखाड़िया मार्ग, श्रीगंगानगर
0154-2481505, 94139-50724
आपातकालीन सुविधाएं 24 घंटे उपलब्ध

वर्ष : 01 | अंक : 16 | पाक्षिक | श्रीगंगानगर | 30 जनवरी, 2021 | मोबाइल : 9461221718, 8005519250

सूरज की किरणें शान बने, फूलों की कलियां मुस्कान बने...

जन सेवा हॉस्पिटल में नेत्र रोग विभाग ने प्रदान किया सुखद आश्चर्य

मरीज का जन्मदिन और माता-पिता की वैवाहिक वर्षगांठ मनाई

श्रीगंगानगर। सूरज की किरणें शान बने, फूलों की कलियां मुस्कान बने। गमों से ना हो कोई रिश्ता, सिर्फ खुशियां ही खुशियां मेहमान बने। कुछ ऐसे भावों और भावुक करने वाले दृश्यों ने सुखद आश्चर्य में डाला। डॉ. एस.एस. टांटिया एमसीएच एंड रिसर्च सेंटर (जन सेवा हॉस्पिटल) के नेत्र रोग के विभागाध्यक्ष डॉ. अरूण कुमार सी. पवार की बदौलत मरीज एवं परिवार को अनगिनत खुशियां हासिल हुई और दिन बन गया यादगार।

श्रीगंगानगर क्षेत्र की एक युवती के परिजन अपनी लाडली की आंख में भेंगेपन से परेशान थे। इस जन्मजात तकलीफ को दूर करने के लिए उन्होंने खासा प्रयास किए, कई जगह दिखाया। उन्हें यह बताया गया था कि आयु बढ़ने के बाद इसे किसी विशेषज्ञ चिकित्सक से ऑप्रेशन करवाने से ठीक होने की उम्मीद है। परिजनों ने वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. पवार से सम्पर्क किया और हाल ही में सफल ऑप्रेशन से समस्या का स्थाई समाधान पाया।

परिजनों ने अपनी बिटिया के ऑप्रेशन का दिन भी खास चुना, उसके जन्म दिन के विशिष्ट मौके पर डॉ. पवार ने एनेस्थिजिया के डॉ. दिनेश गोयल के सहयोग से सफल ऑप्रेशन किया। उन्हें जैसे ही मालूम चला कि आज मरीज का जन्म दिन है तो तुरंत केक मंगवाया, इस बीच एक और खुशखबरी परिवार ने सांझा करते हुए बताया कि माता-पिता की वैवाहिक वर्षगांठ भी है। इतना पता चलते ही इस दिन को यादगार बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी गई। केक कटवाया गया और तालियों के बीच मंगलकामनाएं दी गई। युवती के पिता ने इस दिन को स्वर्णिम बताते हुए कहा कि डॉ. पवार ने खुशी को कई गुणा कर दिया। वे लोग आंख की तकलीफ की वजह से परेशान थे, जैसे-जैसे आयु बढ़ रही थी आशंकित भी होते थे कि परेशानी से निजात मिलेगी या नहीं, अब सफल ऑप्रेशन से बहुत खुशी हुई है। बिटिया और परिवार की खुशी में इजाफा करने के लिए ऑप्रेशन भी जन्मदिन वाले दिन करवाया, वैवाहिक वर्षगांठ भी थी और जन सेवा हॉस्पिटल ने सभी खुशियों में शामिल होते हुए सचमुच यादगार तोहफा दे दिया।

डॉ. अरूण कुमार सी. पवार

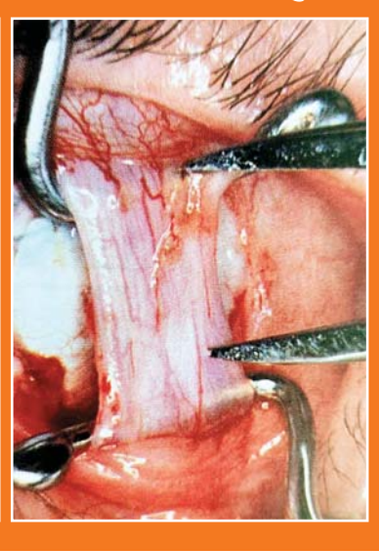

उल्लेखनीय है कि नेत्र रोग विभाग के अध्यक्ष वरिष्ठ नेत्र चिकित्सक डॉ. अरूण कुमार सी. पवार एमएस में गोल्ड मेडलिस्ट हैं। स्कॉटलैण्ड के ग्लास्गो, चेन्नई, दिल्ली, हैदराबाद से उच्च शिक्षित हैं। उनके अनुभव और विशेषज्ञता से बड़ी संख्या में मरीज लाभान्वित हो रहे हैं।

सुविधाओं से भरपूर

जन सेवा हॉस्पिटल के नेत्र रोग विभाग में वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. पल्लवी सहारण की उल्लेखनीय सेवाओं से भी मरीज लाभान्वित हो रहे हैं। वे वर्धा और मदुरई से उच्च शिक्षित हैं तथा काफी अनुभवी हैं। नेत्र रोग विभाग में सुविधाएं ही सुविधाएं हैं। ओपीडी कप्यूटराइज्ड है, नवीनतम तकनीक से आंखों की जांच होती है। काला मोतिया, सफेद मोतिया के सभी तरह के ऑप्रेशन किए जा रहे हैं। भेंगापन, नाखुना, पडवाल आदि से निजात दिलाई जा रही है। लेजर मशीन से किरणों के माध्यम से सफेद मोतिया की झिल्ली बिना ऑप्रेशन साफ की जा रही है। काला मोतिया के अचूक निदान की पेरीमीट्री मशीन उपलब्ध है। लेजर से भी काला मोतिया का खातमा किया जा रहा है। आंखों को बिना छुए दवाब की जांच की जा रही है। एल्कोन की विदेशी फेको मशीन से ऑप्रेशन कर आयातित लैंस का प्रत्यारोपण किया जा रहा है। छोटे बच्चों की आंखों से संबंधित तथा आंख में चोट लगने पर जरूरी ऑप्रेशन किए जा रहे हैं।

डॉ. पल्लवी सहारण

सामाजिक सरोकारों में भी आगे

जन सेवा हॉस्पिटल का नेत्र रोग विभाग जन जागृति और सामाजिक सरोकारों में भी आगे है। श्रद्धेय डॉ. श्यामसुन्दर टांटिया के जन्म दिवस पर उनकी स्मृति में सौ से अधिक जरूरमंद मरीजों की आंखों का निःशुल्क ऑप्रेशन किया जा चुका है। विश्व दृष्टि दिवस मनाया जाता है, नेत्र जागरुकता पखवाड़ा रखा जाता है। समय-समय पर निःशुल्क जांच एवं परामर्श शिविर रखकर बड़ी संख्या में लोगों को लाभ प्रदान किया जाता है। भामाशाह, आयुष्मान भारत जैसी सरकारी योजनाओं का लाभ विभाग में मिलता है। राज्य सरकार के कार्मिकों के लिए भी हॉस्पिटल अधिकृत है।

सम्पदा विभाग निभा रहा है महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

प्रभारी कौशल उपवेजा और टीम की सराहनीय सेवाएं

श्रीगंगानगर।

टांटिया यूनिवर्सिटी का सम्पदा विभाग महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभा रहा है। इसके प्रभारी कौशल उपवेजा और उनकी टीम सराहनीय सेवाएं दे रही हैं। विभाग का यह दायित्व है कि टांटिया समूह के विस्तार कार्यों में अपेक्षा के अनुरूप तेजी लाए, इसके लिए प्रत्येक जरूरी कार्य समय पर सम्पादित करना सुनिश्चित करे। इसके अलावा यूनिवर्सिटी के विभिन्न संकायों, यूनिवर्सिटी परिसर के डॉ. एस.एस. टांटिया एमसीएच एंड रिसर्च सेंटर (जन सेवा हॉस्पिटल) के सभी विभागों से समन्वय रखते हुए अपेक्षा के अनुरूप सामग्री आदि उपलब्ध करवाना है। प्रभारी उपवेजा अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन बखूबी कर रहे हैं। इस काम में उनके विभाग के गगनदीप सिंह, नितिका वर्मा, प्रशांत वर्मा, गुरसेवक सिंह आदि सहयोग करते हैं। उपवेजा अपनी सरलता, सक्रियता एवं व्यवहार कुशलता के चलते भी सभी के चहेते हैं।

टांटिया यूनिवर्सिटी में हर्षोल्लास से मनाया गणतंत्र दिवस

श्रीगंगानगर।

टांटिया यूनिवर्सिटी में गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया। यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) एम. एम. सक्सेना ने ध्वजारोहण करते हुए कहा कि सभी पूर्व की तरह अपनी ड्यूटी के प्रति सजग रहें। उन्होंने कोरोना के कम हुए प्रभाव का जिक्र करते हुए कहा कि पूरी उम्मीद है कि जल्दी सब सामान्य हो जाएगा और आने वाला स्वतंत्रता दिवस समारोह हमेशा की तरह धूमधाम से मनाया जाएगा। निदेशक (शोध) डॉ. प्रवीण शर्मा ने सभी का आभार ज्ञापित करते हुए कहा कि डॉ. एस.एस. टांटिया एमसीएच एंड रिसर्च सेंटर (जन सेवा हॉस्पिटल) ने कोरोना काल में भी अपनी सराहनीय सेवाओं का सिलसिला जारी रखा। निदेशक डॉ. अश्वनी गोगिया, रजिस्ट्रार डॉ. विनोद शर्मा, प्रोक्टर बलजीत सिंह, जनरल मैनेजर डॉ. विकास सचदेवा, विभिन्न संकायों के डॉ. सौरभ गर्ग, डॉ. अजय शर्मा, डॉ. सुभाष उपाध्याय, डॉ. चरणजीत सिंह, डॉ. पी. के. चक्रवर्ती, डॉ. अशोक यादव, दिनेश कासनिया, अमनदीप सिंह, डॉ. के. के. अरोड़ा, डॉ. आर.पी. पूनिया, डॉ. राजेंद्र शर्मा, दयानन्द सिंह, डॉ. आर. के. विश्वास, एनसीसी कैडेट आदि समारोह में मौजूद रहे। योगाचार्य संदीप कुमार भांभू ने संयोजन किया।

स्टेट मिक्सड मार्शल आर्ट चैम्पियनशिप में श्रीगंगानगर अव्वल रहा

श्रीगंगानगर।

यहां पहली बार हुई राजस्थान स्टेट मिक्सड मार्शल आर्ट (एमएमए) चैम्पियनशिप में श्रीगंगानगर अव्वल रहा। गजानंद विहार स्थित आर एंड के स्पोर्ट्स एकेडमी में हुई इस प्रांतीय स्पर्धा में टांटिया यूनिवर्सिटी के विधि संकाय की सहभागिता रही। विधि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. सौरभ गर्ग, पंजाबी भाषा अकादमी के पूर्व अध्यक्ष रवि सेतिया, विशाल गौड़, अरोड़वंश सभा के प्रधान कपिल असीजा, अशोक कासनिया, भैराराम आदि अतिथि थे। एमएमए इंडिया के अध्यक्ष शरीफ बापू, सचिव प्रसाद गाई तोंडे, प्रांतीय अध्यक्ष रजनीश कुरैशी, सचिव छोटूराम दहिया की मौजूदगी में हुई प्रतियोगिता में श्रीगंगानगर पहले, झुंझुनू दूसरे तथा अलवर तीसरे स्थान पर रहा। एमएमए श्रीगंगानगर के अध्यक्ष एवं स्पोर्ट्स एकेडमी के संचालक सिद्धार्थ घोड़ेला, सचिव सुनील घोड़ेला, कोषाध्यक्ष सुमन लता, खेल गांव मार्शल आर्ट टैम्पल के संचालक धर्मेन्द्र देवर्थ, कोमल सिडाना, केपी सर सहित अनेक विशिष्ट जनों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

इन्होंने बटोरी खूब तालियां

चैम्पियनशिप के अलग-अलग वर्गों में हुए मुकाबलों में युवराज टांटिया, अक्षित अग्रवाल, मोनिका झोरड़, रौनक सोनी, उदयवीर, ज्योति रावत, लक्ष्य आदि ने खूब तालियां बटोरी और स्वर्ण पदक जीते।

उपलब्ध संसाधनों से अभिभूत, कहा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छाने की अपार संभावनाएं

प्रबंधन ने किया अभिनन्दन, भविष्य में खेल सुविधाओं में बढ़ोतरी का विश्वास दिलाया

रेलवे के स्पोर्ट्स डायरेक्टर प्रेम लोछब टांटिया यूनिवर्सिटी से हुए प्रभावित

श्रीगंगानगर।

रेलवे बोर्ड के डायरेक्टर (स्पोर्ट्स) एवं रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड के सचिव प्रेम लोछब टांटिया यूनिवर्सिटी से काफी प्रभावित हुए। यूनिवर्सिटी के अवलोकन के दौरान उपलब्ध संसाधनों एवं व्यवस्थाओं से अभिभूत होते हुए उन्होंने कहा कि यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छाने की अपार संभावनाएं हैं। वाइस चेयरमैन डॉ. मोहित टांटिया ने लोछब को विश्वास दिलाया कि निकट भविष्य में खेल सुविधाओं में और बढ़ोतरी की जाएगी। लोछब का यूनिवर्सिटी के कार्यकारी निदेशक के.एस. सुखदेव, निदेशक डॉ. अश्वनी गोगिया, जन सेवा हॉस्पिटल के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी बलजीत सिंह, जनरल मैनेजर डॉ. विकास सचदेवा, परीक्षा नियंत्रक डॉ. राजेंद्र गोदारा, खेल संकाय के अधिष्ठाता डॉ. सुरजीत सिंह कस्वां ने अभिन्दन किया। उन्हें शाल ओढ़ाया गया तथा फूलों का गुलदस्ता व स्मृति चिन्ह भेंट किए गए।

समाजसेवी राजेन्द्र कुमार एवं क्रिकेट कोच सुनील सिहाग भी अवलोकन के दौरान लोछब के साथ थे।

टांटिया यूनिवर्सिटी परिसर स्थित डॉ. एस.एस. टांटिया एमसीएच एंड रिसर्च सेंटर (जन सेवा हॉस्पिटल) की व्यवस्थाओं को भी लोछब ने देखा। हॉस्पिटल में 15 फरवरी तक जारी चिकित्सा महाशिविर के अलावा नियमित रूप से विशेषज्ञ चिकित्सकों का परामर्श सिर्फ 10 रुपए में उपलब्ध करवाने, विश्वस्तरीय अत्याधुनिक सुविधाओं, रियायती दर पर सभी जांचों आदि की व्यवस्था का जानकर उन्होंने टांटिया समूह की प्रशंसा की।

'टी मीडिया' की सराहना की

टांटिया समूह के गौरवशाली प्रकाशन 'टी मीडिया' की रेलवे बोर्ड के डायरेक्टर (स्पोर्ट्स) एवं रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड के सचिव प्रेम लोछब ने सराहना की। टांटिया यूनिवर्सिटी के अवलोकन के समय उनको 'टी मीडिया' के मुख्य सम्पादक डॉ. विकास सचदेवा ने प्रकाशन के बारे में बताया कि इसमें समूह की गतिविधियों के अलावा बहुपयोगी जानकारियों का समावेश किया जाता है। इस पर लोछब ने कहा कि 'टी मीडिया' में मेहनत झलक रही है, इसके माध्यम से प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना भी प्रशंसनीय है।

टीयू खेलों में रहती है अव्वल

टीयू खेलों में अव्वल रहती है। यूनिवर्सिटी के विभिन्न संकायों के 100 से अधिक खिलाड़ी छात्र-छात्राएं अखिल भारतीय स्तर के विश्वद्यालयी खेलों में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित कर चुके हैं। शारीरिक शिक्षा संकाय ने योग के क्षेत्र में भी विशिष्ट पहचान बनाई है। योग फाउंडेशन कोर्स संचालित हो चुके हैं, सेमिनार आयोजित की जा चुकी है। शारीरिक शिक्षा संकाय की विशेषताओं में पर्यावरण के प्रति विशेष प्रेम भी है। जिला उप वन संरक्षक की अपील पर वन महोत्सव मनाया जा चुका है। यूनिवर्सिटी परिसर में लगभग 4000 छायादार-फलदार पौधे लगाए जा चुके हैं। संकाय सदस्य और विद्यार्थी समय-समय पर इनकी देखभाल करते हैं।

बटोरते हैं वाहवाही और तालियां

टीयू के खिलाड़ी छात्र-छात्राएं अपनी लगन और हुनर की बदौलत वाहवाही तथा तालियां बटोरते रहते हैं, मैडल जीतते हैं। शारीरिक शिक्षा संकाय की छात्रा निशा शर्मा ने एशियाड बॉस्केटबाल में प्रतिनिधित्व किया, वह रेलवे में टीसी के पद पर कार्यरत है। संकाय के विद्यार्थी श्रवणकुमार ने खो-खो की अंतरराष्ट्रीय स्पर्धा में नेपाल को परास्त कर देश को विजेता बनाया, अपनी टीम की कप्तानी का गौरव भी हासिल किया। इससे संकाय से जुड़ने वाले विद्यार्थियों का सुनहरा कॅरियर बनता है। राजस्थान लोक सेवा आयोग की भर्तियों में संकाय के 65 से अधिक विद्यार्थी शारीरिक शिक्षक लग चुके हैं, संकाय से जुड़े हुए अनेक जने राजकीय सेवा में चयनित हो चुके हैं। संकाय के अधिष्ठाता डॉ. सुरजीत सिंह कस्वां एवं पूरी टीम विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए मनोयोग से जुटी रहती है।

श्रीगंगानगर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज की डॉ. शिवानी को राज्यपाल ने किया सम्मानित

- डॉ. दिनेश सुरा को भी मिला सम्मान
- अपनी प्रतिभा से फहराया परचम

डॉ. शिवानी

डॉ. दिनेश

श्रीगंगानगर।

टांटिया यूनिवर्सिटी परिसर स्थित श्रीगंगानगर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज की छात्रा डॉ. शिवानी अग्रवाल को राज्यपाल कलराज मिश्र ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के चतुर्थ दीक्षान्त समारोह में सम्मानित किया। इस छात्रा ने विश्वविद्यालय के अंतर्गत सभी होम्योपैथिक कॉलेज के 2013-14 बैच में अपनी प्रतिभा का परचम फहराया और टॉपर रहीं। एसजीएन होम्योपैथिक कॉलेज के द्वितीय स्थान पर रहे डॉ. दिनेश सुरा को भी राज्यपाल ने वर्चुअल समारोह में सम्मानित किया। राज्य के चिकित्सा स्वास्थ्य एवं आयुर्वेद मंत्री डॉ. रघु शर्मा दीक्षान्त समारोह के विशिष्ट अतिथि थे।

टांटिया यूनिवर्सिटी के निदेशक (शोध) डॉ. प्रवीण शर्मा, होम्योपैथी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. चरणजीत सिंह, उप प्राचार्य डॉ. पी. के. चक्रवर्ती ने इन प्रतिभावान विद्यार्थियों को बधाई दी है।

उपलब्धियों से भरपूर

टांटिया यूनिवर्सिटी के श्रीगंगानगर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज, हॉस्पिटल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट उपलब्धियों से भरपूर है। सेंट्रल कौंसिल ऑफ होम्योपैथी (सीसीएच) एवं भारत सरकार के आयुष विभाग से मान्यता प्राप्त इस कॉलेज की गिनती देश के सर्वोत्तम कॉलेजों में होती है। स्नातक एवं स्नातकोत्तर की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जा रही है। एनाटॉमी, फिजियोलॉजी, पैथोलोजी, होम्यो फार्मेसी, फारेंसिक मेडियन या टॉक्सीकोलोजी, ऑर्गेनोन ऑफ मेडिसिन, मेटेरिया मेडिका, होम्यो रेपटोरी, प्रेक्टिस ऑफ मेडिसिन, सर्जरी, स्त्री रोग, कम्यूनिटी मेडिसिन में अनुभवी विशेषज्ञों की देखरेख में विद्यार्थी ज्ञानार्जन कर रहे हैं। विश्व में एकमात्र होम्योपैथिक एन्थम बनाने के लिए वर्ल्ड रिकॉर्ड कॉलेज के फैकल्टी मेम्बर डॉ. आर. के. विश्वास के नाम है। वे मार्वल्स रिकॉर्ड ऑफ इंडिया में अपना नाम दर्ज करवा चुके हैं।

अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर की सेमिनार

श्रीगंगानगर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज, हॉस्पिटल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट में समय-समय पर अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर की सेमिनार होती रहती है। इनमें देश-विदेश के विशेषज्ञ शंकाओं का समाधान करते हैं, उपयोगी नवीनतम जानकारियां सांझा करते हैं। कॉलेज में यूजी, पीजी एवं पीएचडी हो रही है, इससे निकले विद्यार्थी सराहनीय सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। कॉलेज सामाजिक सरोकारों में भी अग्रणी रहता है। निःशुल्क शिविर लगाए जाते हैं। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस कोविड-19 से बने हालात के बीच इम्यूनिटी बूस्टर, एसजी होम्योज की तरऊ से सेनिटाइजर, मास्क, जरूरतमंदों को भोजन आदि का वितरण किया गया। लोगों को कोरोना से बचाव के लिए जागरूक भी किया।

नर्सिंग संकाय के नए विद्यार्थियों को मंगलकामनाएं कि आगे बढ़ते जाएं

तिलक लगा कर स्वागत और परिसर का भ्रमण

मनोयोग से पढ़ने और मेहनत से जुटने का आह्वान

श्रीगंगानगर।

टांटिया यूनिवर्सिटी के नर्सिंग संकाय के सत्र 2020-21 के बैच के बीएससी एवं जीएनएम के नए विद्यार्थियों का तिलक लगा कर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस मौके पर रखे गए उन्मुखीकरण कार्यक्रम के दौरान उनके आगे बढ़ते रहने की मंगलकामना की गई। यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) एम.एम. सक्सेना एवं संकाय के अधिष्ठाता डॉ. अशोक यादव ने विद्यार्थियों को शुभकामना देते हुए पूरे मनोयोग से पढ़ने तथा जीवन में सफल होने के लिए मेहनत से जुटने का आह्वान किया।

नए विद्यार्थियों को नर्सिंग संकाय की प्रयोगशालाओं को दिखाया गया, यूनिवर्सिटी परिसर का भ्रमण करवाया गया। डॉ. एस.एस. टांटिया एमसीएच एंड रिसर्च सेंटर (जन सेवा हॉस्पिटल) के विभिन्न विभागों को भी दिखाते हुए उपलब्ध करवाई जा रही सेवाओं आदि की विस्तृत जानकारी दी गई। उन्मुखीकरण कार्यक्रम के साथ ही नर्सिंग संकाय के नए बैच की ऑफ लाइन कक्षाएं भी शुरू हो गईं हैं।

उल्लेखनीय है कि नर्सिंग संकाय टांटिया यूनिवर्सिटी की नींव रहा है। इसके अधिष्ठाता डॉ. अशोक यादव के निर्देशन में फेकल्टी ऑफ नर्सिंग ने खास पहचान बनाई है। व्यावहारिक अनुभव एवं गुणवत्ता की शिक्षा पर पूरा जोर दिया जाता है। ट्रेनिंग के लिए विद्यार्थी डॉ. एस.एस. टांटिया एमसीएच एंड रिसर्च सेंटर (जन सेवा हॉस्पिटल) एवं टांटिया हॉस्पिटल जाते हैं। नर्सिंग डे पर नर्सिंग संकाय में यादगार कार्यक्रम होता है, इसी तरह समय-समय पर अन्य बहुपयोगी सेमिनार, कार्यक्रमों आदि का आयोजन होता रहता है। नर्सिंग संकाय के विद्यार्थी शहर में होने वाले सामाजिक एवं राष्ट्रीय कार्यक्रमों में भी सक्रिय सहभागिता निभाते हैं। विश्व तम्बाकू दिवस, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस जैसे विशिष्ट अवसरों पर होने वाले आयोजनों और रैलियों में विद्यार्थी भाग लेकर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करते हैं। पल्स पोलियो अभियान में संकाय के व्याख्याता पर्यवेक्षक के रूप में राष्ट्रीय कार्यक्रम में अपना उल्लेखनीय योगदान देते हैं।

टांटिया यूनिवर्सिटी की नई उपलब्धि

एनसीसी हुई मंजूर, विद्यार्थियों ने उत्साह दिखाया भरपूर

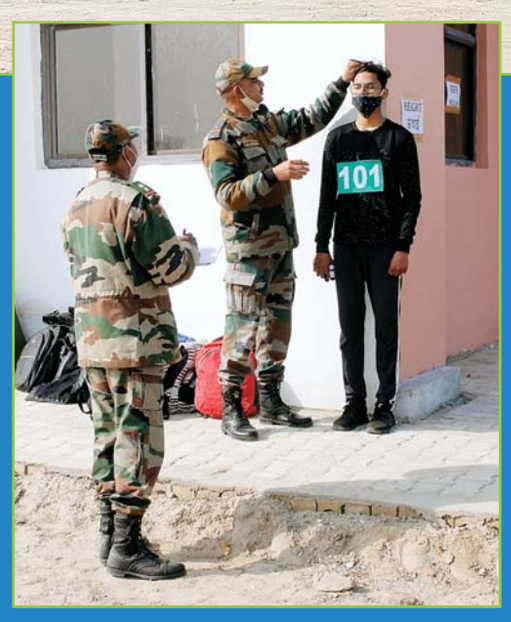

शारीरिक दक्षता परीक्षण में कर्नल संजय गुप्ता व रजिस्ट्रार डॉ. विनोद शर्मा रहे मौजूद

श्रीगंगानगर।

टांटिया यूनिवर्सिटी को नई उपलब्धि हासिल हुई है, एनसीसी मंजूर होने से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के अवसरों में और बढ़ोतरी हो गई है। चालू सत्र में प्रारम्भ हुई एनसीसी के अंतर्गत शारीरिक दक्षता परीक्षण के लिए विद्यार्थियों ने खूब उत्साह दिखाया। कर्नल संजय गुप्ता, यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार डॉ. विनोद शर्मा इस दौरान मौजूद रहे। योगाचार्य संदीप कुमार भांभू को एनसीसी प्रभारी का दायित्व दिया गया है। 3 राज एनसीसी इकाई के तहत टांटिया यूनिवर्सिटी में एनसीसी संबंधी समस्त गतिविधियां संचालित होगी। इससे विद्यार्थियों को न केवल भारतीय सेना को नजदीक से जानने का अवसर प्राप्त होगा, इसमें प्रवेश कर कॅरियर बनाने का मार्ग भी प्रशस्त होगा। शारीरिक, मानसिक विकास में सहायक एनसीसी के माध्यम से विद्यार्थियों के जीवन में अनुशासन का महत्व भी बढ़ेगा।

विद्यार्थियों ने दिखाया दमखम

एनसीसी के प्रति यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों ने खूब रुझान दिखाया है। शारीरिक दक्षता परीक्षण में काफी संख्या में मौजूद रहे, सफल होने वालों को एनसीसी से जोड़ा गया। सूबेदार अनिल कुमार, नायब सूबेदार ओमप्रकाश आदि ने एनसीसी से जुड़ने के इच्छुक विद्यार्थियों के दमखम का आकलन किया, उनके कद को नापा। कर्नल संजय गुप्ता एवं यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार डॉ. विनोद शर्मा ने इनका साक्षात्कार लिया। गणतंत्र दिवस के ध्वजारोहण समारोह में एनसीसी के ये कैडेट मौजूद रहे। कैडेट अजय कुमार ध्वज मंच पर रहे, इसी तरह अन्य कैडेट की भी सहभागिता रही। एनसीसी प्रभारी योगाचार्य संदीप कुमार भांभू ने अपने संयोजन के दौरान उम्मीद जताई कि यूनिवर्सिटी के एनसीसी कैडेट राजपथ पर होने वाली परेड का हिस्सा भी बनेंगे और अपनी प्रतिभा का परचम लहराएंगे।

एकता और अनुशासन

एनसीसी यानि नैशनल कैडेट क्रॉप्स का ध्येय वाक्य है एकता और अनुशासन। सर्वांगीण विकास में सहायक एनसीसी से जुड़ना गौरव की बात है।

यह राष्ट्रीय एकता की भावना बढ़ाने में सहायक है, वहीं आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करती है। चरित्र निर्माण, धर्मनिरपेक्षता, समाज सेवा और ऐसी अनेक खूबियों में भी वृद्धि होती है। भारतीय रक्षण एक्ट 1917 के अंतर्गत 16 अप्रेल, 1948 को एनसीसी का गठन हुआ। जब-जब देश को और सेना को जरूरत पड़ी एनसीसी ने बढ़चढ़ कर अपनी सहभागिता निभाई।

होता है सुअवसर प्राप्त

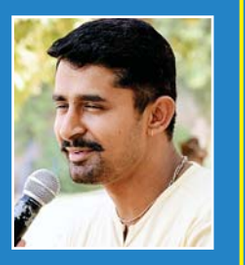

टांटिया यूनिवर्सिटी के एनसीसी के प्रभारी योगाचार्य संदीप कुमार भांभू के अनुसार एनसीसी से जुड़कर सेना को नजदीक से देखने-जानने का सुअवसर प्राप्त होता है। भारतीय सीमाओं की रक्षक, देश की आन, बान और शान बढ़ाने वाली, अदम्य शौर्य और पराक्रम की पताका फहराने वाली सेना में प्रवेश का सपना साकार करने में भी एनसीसी सहायक है।

इनका कहना है

टीयू में सर्वांगीण विकास पर पूरा जोर दिया जाता है, इसी क्रम में एनसीसी सोने पर सुहागा है। इसके माध्यम से राष्ट्र सेवा का विशिष्ट मार्ग प्रशस्त हुआ है - **नीतू**

पढ़ाई के साथ-साथ शारीरिक मजबूती भी आवश्यक है। एनसीसी के माध्यम से ऐसा होना आसान है। एनसीसी से टीयू की शान में इजाफा हुआ है - **कुमकुम**

एनसीसी से जुड़ना गौरव की बात है। सेना को न केवल नजदीक से जानने का अवसर मिला है, इसमें कॅरियर बनाने का सपना साकार हो सकता है - **डिम्पल**

सेना में शामिल हो कर राष्ट्र सेवा का मानस है। अब एनसीसी से जुड़ कर देश का गौरव बढ़ाने वाली सेना में प्रवेश का मार्ग मिलने की बहुत प्रसन्नता है - **पूजा**

गम्भीर रोग में सामूहिक सहयोग जरूरी, टीम वर्क के बिना मंशा नहीं होती पूरी

प्रशामक देखभाल (पेलिएटिव केयर) का बढ़ता जा रहा है महत्व

प्रशामक देखभाल (पेलिएटिव केयर) का महत्व बढ़ता जा रहा है। गम्भीर रोग एवं मरीज के ठीक होने की उम्मीद कम होने की स्थिति में संवेदनशीलता अत्यावश्यक है। मरीज और परिजनों की मंशा के अनुरूप उपचार आदि के लिए सामूहिक सहयोग जरूरी है, टीम भावना के बिना अपेक्षा पूरी नहीं हो सकती।

प्रशामक देखभाल के अंतर्गत चार प्रमुख प्रकार हैं-शारीरिक, सामाजिक, भावनात्मक और अध्यात्मिक। इन चारों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। शारीरिक उपचार के तहत चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ आदि अपनी तरफ से प्रयास करते हैं। सामाजिक रूप से सहायता में समाज, परिजनों एवं साथियों का काफी महत्व है। भावनात्मक रूप से उपचार में मनोवैज्ञानिक आदि की सहभागिता रहती है। अध्यात्मिक रूप से सम्बल प्रदान करने में धार्मिक गुरु सहित इसमें पारंगत अन्य जनों की भूमिका रहती है।

डॉ. महेश के. मोहता
नाक, कान व गला रोग विशेषज्ञ
कैंसर विभाग, जन सेवा हॉस्पिटल

प्रशामक देखभाल की नौबत आने का मतलब मरीज का शारीरिक और साथ ही मानसिक रूप से ख्याल रखना है। रोगी को देहिक तकलीफ कम से कम हो, इसके लिए दवाइयां अपना काम करती हैं, उनका मनोबल बनाए रखना भी बहुत जरूरी है। मन के जीते जीत है और मन के हारे हार वाली बात को ध्यान में रखते हुए मरीज के आत्मविश्वास को डिगने नहीं देना चाहिए। इसके लिए संबंधित चिकित्सक के अलावा परिजन, मरीज के मित्र आदि बड़ी सकारात्मक भूमिका निभा सकते हैं। गम्भीर स्थिति वाले रोगी की देखभाल का जिम्मा अपने आप में बहुत चुनौतीपूर्ण है। नर सेवा-नारायण सेवा की उक्ति को अंगीकार करते हुए जिनको ऐसे मरीज की सेवा का अवसर मिलता है, उन्हें पूरे मनोयोग तथा समर्पित भाव से यथाशक्ति कार्य करना चाहिए। ऐसा बहुत बार देखा गया है जब गम्भीर रोग सही दिशा में की गई सेवा और प्रयास से अपनी वेदना से उबरे हैं।

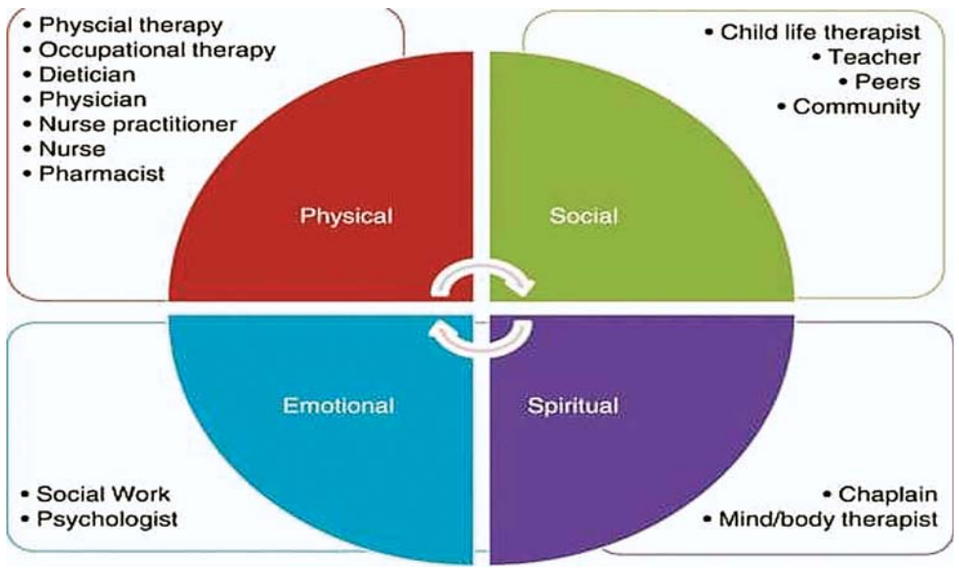

टांटिया जनरल एण्ड मल्टीस्पैशिलिटी हॉस्पिटल सर्वाधिक विश्वनीय केन्द्र के रूप में स्थापित

डॉ. विशु टांटिया बढ़ा रहे हैं परिवार व इलाके का मान

विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं अत्याधुनिक सुविधाओं का भारी लाभ

श्रीगंगानगर।

टांटिया जनरल एण्ड मल्टीस्पैशिलिटी हॉस्पिटल सर्वाधिक विश्वनीय केन्द्र के रूप में स्थापित हुआ है। श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ जिले ही नहीं पड़ोसी राज्यों पंजाब-हरियाणा तथा महानगरों तक के रोगियों को भारी लाभ मिल रहा है।

डॉ. विशु टांटिया अपने पिता स्वर्गीय डॉ. श्यामसुन्दर जी टांटिया के सान्निध्य में अनुभव हासिल कर चुके हैं। वे परिवार का ही नहीं इलाके का भी मान बढ़ा रहे हैं। निराशा के भंवर में उलझे मरीज और उनके परिजन टांटिया हॉस्पिटल को अपनी अपेक्षाओं पर खरा पा रहे हैं।

हॉस्पिटल के मानसिक रोग एवं नशा मुक्ति विभाग, न्यूरो सर्जरी एवं ट्रोमा विभाग, मेडिसिन विभाग, प्लास्टिक सर्जरी विभाग, आईसीयू विभाग, ऑर्थोपेडिक विभाग, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, छाती, दमा एवं टीबी रोग विभाग, ईएनटी विभाग, जनरल सर्जरी विभाग, आयुर्वेदिक विभाग, होम्योपैथिक विभाग, दंत रोग विभाग, ऑरल एंड मैक्जिलोफेशियल विभाग, रेडियोलॉजी विभाग, फिजियोथैरेपी विभाग आदि उल्लेखनीय सेवाएं दे रहे हैं।

डॉ. विशु टांटिया

टांटिया हॉस्पिटल एमआरआई, सीटी स्केन, कलर डोप्लर, बर्न यूनिट, डिजिटल एक्स-रे, आईसीयू, टीएमटी, इको कार्डियोग्राफी, अल्ट्रासाउंड, वेन्टिलेटर मॉनीटर डिफेबिलेटर युक्त आईसीयू, अत्याधुनिक माइक्रोस्कोप, इंडोस्कोप, वेंटिलेटर, ईईजी ब्रेन मेपिंग, ईएमजी, एनसीवी, कॉर्डियक आईसीयू, थ्री चैनल ईसीजी, फोटोथैरेपी, आईपीएल लेजर, रेडियोफ्रिक्वेंसी आदि की सुविधाओं से परिपूर्ण है। अनुभवी, प्रशिक्षित एवं समर्पित स्टाफ हर समय सेवा को तत्पर रहता है।

हॉस्पिटल में क्षेत्र का पहला हाइ फ्लो नेजल ऑक्सीजनरेटर (एचएफएनओ) वेंटिलेटर भी स्थापित किया गया है। श्वांस संबंधी तथा अन्य गम्भीर रोगियों के लिए यह बहुत उपयोगी है। इस नवीनतम तकनीक के वेंटिलेटर के लगे रहने के दौरान मरीज खाना खा सकता है, बात भी कर सकता है।

न्यूरो सर्जरी व ट्रोमा विभाग की विशिष्ट पहचान है। वरिष्ठ न्यूरो सर्जन डॉ. महेश माहेश्वरी की विशेषज्ञता एवं कुशल मार्गदर्शन में यह विभाग विश्वस्तरीय सुविधाएं प्रदान कर रहा है। टांटिया हॉस्पिटल में एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी, पेस मेकर, डिवाइस क्लोजर, कैथ लैब आदि की सुविधाएं उपलब्ध है। सीसीयू, एडल्ट इकोकार्डियोग्राफी, बच्चों की इकोकार्डियोग्राफी, एंजियोग्राफी (फीमोरल एंड रेडियल), बैलून से हृदय वाल्व को खोलने, पांव एवं गुर्दे के नसों की एंजियोप्लास्टी, कम्प्यूटराइज्ड ईसीजी, सीटी पलमोनरी, डिजिटल एक्स-रे, हाईटेक लेबोरेट्री, जन्मजात हृदय रोगों का उपचार, टीएमटी आदि के कारण टांटिया हॉस्पिटल की खास पहचान है।

जांचों और गुणवत्ता में बहुत आगे

टांटिया जनरल एंड मल्टीस्पैशिलिटी हॉस्पिटल जांचों और गुणवत्ता में बहुत आगे है। एमआरआई 1.5 टेस्ला 16 चैनल की मशीन में अन्य साधारण मशीन की तुलना में आधे समय में जांच हो जाती है, जांच की गुणवत्ता भी साधारण मशीन के मुकाबले 5 गुणा ज्यादा होती है। पेट की एमआरआई एवं छाती-पैर की नसों को देखना संभव है, दिमाग व रीढ़ की हड्डी की बारीक नसों की भी गहनता से जांच होती है। खर्चा साधारण एमआरआई के बराबर ही लगता है। सिर से पांव तक की एंजियोग्राफी भी उपलब्ध है। सीटी स्केन 16 स्लाइस का होने से पेट के कैंसर की पकड़ भी आसानी से होती है, अधरंग, लकवे जैसी समस्या में भी बहुत उपयोगी है।

जन सेवा हॉस्पिटल का चिकित्सा महाशिविर जारी, 31 मार्च तक चलेगा यह विशेष शिविर

हर प्रकार की लेबोरेट्री जांच में विशेष छूट, ईसीजी निःशुल्क

श्रीगंगानगर।

टांटिया यूनिवर्सिटी परिसर स्थित डॉ. एस.एस. टांटिया एमसीएच एंड रिसर्च सेंटर (जन सेवा हॉस्पिटल) में चिकित्सा महाशिविर का जारी है, क्षेत्रवासियों को इसका काफी लाभ हो रहा है। यह महाशिविर 10 दिसम्बर से शुरू हुआ था और 31 मार्च तक चलेगा। जांच के लिए श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ जिले ही नहीं पड़ोसी राज्य पंजाब-हरियाणा आदि के मरीज भी आ रहे हैं। हॉस्पिटल के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी बलजीत सिंह ने बताया कि इस महाशिविर में ईसीजी निःशुल्क की जा रही है, लेबोरेट्री जांच में विशेष छूट दी जा रही है। सीबीसी सिर्फ 20 रुपए में तथा अल्ट्रासाउंड केवल 100 रुपए में किया जा रहा है। दवाइयों पर भी छूट दी जा रही है। जन सेवा हॉस्पिटल में परामर्श शुल्क सिर्फ 10 रुपए, भर्ती शुल्क मात्र 20 रुपए रखा हुआ है। आयुष्मान भारत योजना में निःशुल्क इलाज होता है तथा प्रमुख बीमा कम्पनियों से बीमित मरीजों एवं राज्य कर्मचारियों-पेंशनर्स के लिए कैशलेस उपचार सुविधा उपलब्ध है। हॉस्पिटल में विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएं नियमित उपलब्ध हैं। इमरजेंसी एवं ट्रोमा विभाग में हर समय न्यूरो, आर्थो एवं प्लास्टिक सर्जन जैसे विशेषज्ञों की सेवाएं उपलब्ध हैं। अधिक जानकारी के लिए टोल फ्री नम्बर 1800123101020 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

डॉ. रेखा सोनी को सरस्वती शिक्षा गौरव सम्मान

श्रीगंगानगर।

टांटिया यूनिवर्सिटी के शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय की उप प्राचार्य प्रो. (डॉ.) रेखा सोनी को सरस्वती शिक्षा गौरव सम्मान प्रदान किया गया है। हरियाणा संस्कृत अकादमी एवं सरस्वती साहित्य संस्थान ने उन्हें यह सम्मान प्रदान किया है। सम्मान पत्र में उनकी साहित्यिक, सामाजिक, शैक्षिक, सांस्कृतिक आदि सेवाओं को प्रशंसनीय बताते हुए यशस्वी जीवन की मंगल कामना की गई है।

टीयू के खेल मैदान में क्रिकेट की रही धूम पीएनबी परिवार का मैत्री मैच रहा यादगार

मंडल प्रमुख राजिंदर मोहन शर्मा व मुख्य प्रबंधक सुशील कुमार सिंह ने किया उत्साहवर्धन

श्रीगंगानगर।

टांटिया यूनिवर्सिटी (टीयू) के खेल मैदान में गणतंत्र दिवस के दिन क्रिकेट की धूम रही। पीएनबी परिवार का मैत्री मैच यादगार रहा। बैंक के मंडल कार्यालय के अंतर्गत आने वाली शाखाओं के सदस्यों के मध्य हुए इस मैत्री मैच में मंडल प्रमुख राजिंदर मोहन शर्मा और मुख्य प्रबन्धक सुशील सिंह मौजूद रहे और उत्साहवर्धन किया। पहली पारी में टीम पीएनबी वन ने 16 ओवर में 142 रन बनाए।। इसका पीछा करते हुए टीम पीएनबी रिटेल उत्पाद ने 16 ओवर खेलकर 139 रन बनाए और मैच टीम पीएनबी वन ने 3 रन से जीत लिया। टीम पीएनबी वन की ओर से सतीश कुमार ने 55 रन बनाए, शानदार 3 कैच पकड़े और मेन ऑफ दी मैच का खिताब प्राप्त किया। रंजन मक्कड़, महेन्द्र बिश्नोई, अमित कुमार, स्वरूप सिंह नंदा, पदम शर्मा आदि की सहभागिता रही।

टी-क्लिक

धुंध देती यह भी संदेश, अंधकार नहीं रहता शेष

धुंध सकारात्मकता का संदेश भी देती है। यह सब्र का इम्तहान लेती है, सूरज के ओज के आगे अधिक नहीं टिकती, अंधकार शेष नहीं रहता। जीवन में जरूरी है तो सकारात्मकता और आत्मविश्वास। हाड कम्पाने वाली सर्दी और धुंध के बीच ऐसे संदेश देते दृश्य नजर आए टांटिया यूनिवर्सिटी परिसर के अंदर और बाहर। इन दृश्य को कैद किया है **डॉ. के. के. अरोड़ा** ने।

टी-क्लिक : टांटिया समूह के साथी समूह के किसी भी संस्थान, सेवाओं, सुविधाओं अथवा इंफ्रास्ट्रक्चर को दर्शाती या अन्य कोई संदेश तस्वीर 'टी क्लिक' के लिए प्रेषित कर सकते हैं। फोटोग्राफी में रुझान हो तो उठाइए कैमरा और यादगार पल को कैद कर अपने नाम व विवरण के साथ पर नीचे दिए एड्रेस पर मेल कर दीजिए।
tmedia@tantiauniversity.com

चन्दन आहूजा को पीएचडी की उपाधि

श्रीगंगानगर।

टांटिया यूनिवर्सिटी ने चंदन आहूजा को पीएचडी की उपाधि प्रदान की है। उन्होंने 'उपभोक्ता संरक्षण के विशेष संदर्भ में एक आलोचनात्मक विवरण: व्यापार प्रदर्शन पर ई-कॉमर्स का प्रभाव' विषय पर अपना शोध कार्य विधि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. सौरभ गर्ग के निर्देशन में पूर्ण किया।

पुण्य स्मृति: श्रद्धेय डॉ. श्यामसुन्दर टांटिया
मार्गदर्शक: डॉ. विशु टांटिया
मुख्य सम्पादक: डॉ. विकास सचदेवा (मो. : 9461221718)
कार्यकारी सम्पादक: राजकुमार जैन (मो. : 8005519250)
पुण्य स्मृति: श्रद्धेय श्रीमती शकुन्तला देवी टांटिया

टांटिया समूह द्वारा जनहित में निःशुल्क प्रसारित-प्रचारित। सर्वाधिकार सुरक्षित। बिना अनुमति, दुर्भावनावश, किसी भी अंश को कांट-छांटकर या सौजन्य उल्लेख के बिना उपयोग में लाए जाने पर दण्डनीय कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। - मुख्य सम्पादक
मुख्य कार्यालय : टी मीडिया, द्वितीय तल, जन सेवा हॉस्पिटल, टांटिया विश्वविद्यालय परिसर, हनुमानगढ़ मार्ग, श्रीगंगानगर-335002